from the Jammu and Kashmir Government for the opening of a Sainik School in Jammu; and

(b) if so, the stage at which the matter stands at present?

The Minister of Defence (Shri Swaran Singh): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

Relations between India and China

58. Shri Chintamani Panigrahi: Will the Minister of External Affairs be pleased to state:

(a) whether any fresh efforts have been made either from the Indian or the Chinese side to improve relations between the two countries since our Prime Minister's declarations for making efforts to improve relations with China in the First Session of the Fourth Lok Sabha;

(b) if so, the nature of such efforts; and

(c) whether the relations between China and India have now improved in any manner or the relations have further worsened?

The Minister of External Affairs (Shri M. C. Chagla): (a) to (c). Though the Government of India are willing, now as before, to work for an improvement of relations, the Chinese Government have failed to respond positively. Instead, they have taken an increasingly hostile stand, slandering the people and the Government of India and advocating violent revolution in this country. In this sense, the relations between the two countries may be said to have worsened.

आकाशवाणी के संवाद दाता

59. श्री ओंकार लाल बेरवा : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ देशों की राजधानियों में आकाशवाणी के संवाददाताओं को नियुक्त करने के प्रस्ताव को अन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया गया है;

(ख) इन संवाददाताओं को किन-किन राजधानियों में नियुक्त किया जायेगा;

(ग) क्या अन्य देशों की राजधानियों में भी इन संवाददाताओं को नियुक्त करने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इन प्रस्तावों को कब क्रियान्वित किये जाने की सम्भावना है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) जी हां ।

(ख) अफ्रीका में आदिस अबाबा में और दक्षिण पूर्व एशिया में हांगकांग में एक एक संवाददाता तैनात करने का विचार है ।

(ग) जी, नहीं, निकट भविष्य में नहीं ।

(घ) सवाल नहीं उठता ।

विदेशी भाषाओं में प्रसारण

60. श्री ओंकार सिंह :
श्री ओंकार लाल बेरवा :

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) पिछले पांच वर्षों में, विशेषतः चीनी आक्रमण के बाद, आकाशवाणी से कितनी विदेशी भाषाओं में प्रसारण आरम्भ किये गये हैं तथा ये प्रसारण किस-किस भाषा में किये जाते हैं;

(ख) क्या सरकार ने तब से भारतीय अथवा विदेशी प्रेक्षकों के द्वारा प्रभाव के सम्बन्ध में और विशेष रूप से इन प्रसारणों का मूल्यांकन कराया है; और

(ग) यदि हां, तो उसका क्या परिणाम रहा ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री के० के० शाह) : (क) चीनी आक्रमण के बाद विदेशी भाषाओं में तीन नये प्रसारण शुरू किये गये; ये भाषायें थाई, सिंहली और अफ़ग़ानी -फारसी हैं ।